नव भारत जागृति केन्द्र सूचनापत्र

NBJK
Since 1971
Putting the Last First.....

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA Newsletter

जनवरी - मार्च, 2017 | www.nbjk.org | January - March, 2017

झारखण्ड और बिहार में दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम

झारखण्ड और बिहार के हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, नवादा, गया जिलों में एक्शन विलेज इंडिया–बिग लाटरी फण्ड, यू०के० के सहयोग से नव भारत जागृति केन्द्र द्वारा दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है. जुलाई 2015 से शुरू यह कार्यक्रम आज इन जिलों के 24 प्रखंडों के 2274 गांवों में 32,366 चिह्नित दिव्यांगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है. यह दिव्यांगों को प्रोत्साहित करता है कि अपने सशक्तिकरण और अधिकार प्राप्ति मुहिम का हिस्सा बनें. दिव्यांगों को संगठित करना और उन्हें भारतीय संसद / संयुक्त राष्ट्रसंघ सम्मेलन से मिले अधिकारों के प्रति सचेष्ट करते हुए उनकी प्राप्ति हेतु प्रोत्साहित करना दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम का उद्देश्य है. यह दिव्यांगों को अधिकारसंपन्न, मुखर और सक्षम बनने की संभावनाओं से रूबरू कराता है ताकि उन्हें भी एक सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जीने का अवसर मिले.

यह कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों हेतु अधिक अवसरों को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा का अधिकार कानून 2011 के तहत स्कूल तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास करता है. यह समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है और दिव्यांग बच्चों की जरूरतों के प्रति ग्रामीण विद्यालयों में जागरूकता आयी है. विद्यालय में नामांकन एक प्राथमिकता है और गांवों में 423 दिव्यांग बच्चों का स्कूली दाखिला हुआ है, जबकि अभिभावकगण इन बच्चों की शिक्षा के प्रति उदासीन और निराश हो चले थे. कार्यक्रम में दिव्यांगता के मुद्दे पर स्कूलों को संवेदनशील बनाने पर बल दिया गया है और 479 विद्यालयों से इसका जुड़ाव बना है, जहाँ अबतक 1110 जागरूकता गतिविधियों और 88 क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ है. 219 दिव्यांग बच्चों को दैनिक क्रिया–कलापों, फिजियोथेरेपी और संकेत भाषा का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है.

दिव्यांगों को प्रोत्साहित किया जाता है कि स्वमदद समूहों से जुड़ें अथवा नए समूहों का निर्माण करें. अभी 331 समूहों से 1847 दिव्यांगजन जुड़े हुए हैं. ये सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं, इन्हें लघु ऋण, व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधा हासिल है और आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ पारिवारिक आय में योगदान की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है. 63 दिव्यांगों ने छोटे–आसान ऋण की सहायता से अपना उद्यम शुरू किया है और ऐसे 131 व्यक्ति अपने मनपसंद काम के साथ जुड़कर अर्थोपार्जन कर रहे हैं. 264 दिव्यांगजन व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं. ऐसी गतिविधियों से इनके सम्मान और सामुदायिक स्वीकार्यता में बढ़ोत्तरी हुई है.

प्रखंड स्तर पर दिव्यांग जनसंगठनों का निर्माण हुआ है और ऐसे 20 दिव्यांग जनसंगठनों में 3 निबंधित हैं. इनके मार्फत दिव्यांगजन अपनी सामाजिक उपस्थित दर्ज कराते हैं और कानून द्वारा तय सुविधाओं का लाभ लेने का सामूहिक प्रयास करते हैं. ये दिव्यांग जनसंगठन स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, अपनी गतिविधियाँ आयोजित करते हैं और उनका ब्यौरा रखते हैं. इनकी मदद से 2174 लोगों को निःशक्तता प्रमाणपत्र निर्गत हुआ है और 1497 दिव्यांगों को पेंशन तथा अन्य सरकारी सुविधाएँ मिल रही हैं. इन संगठनों के सहयोग से दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम टीम को जनवकालत करने, सरकारी अधिकारियों से संपर्क करने में सुविधा होती है. इनसे जुड़े युवाओं ने हाल ही में झारखण्ड राज्य स्तरीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता जीतकर सबों का सम्मान बढ़ाया है.

आज आम लोगों और दिव्यांग अधिकारों की उपलब्धता से जुड़े सरकारी पदाधिकारियों के बीच दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम की पहचान बनी है. इसकी लगातार जारी गतिविधियों की वजह से दिव्यांगता एक मुद्दा बन चुका है. अनेक पंचायत प्रतिनिधि, बी.डी.ओ. / सी.डी.पी.ओ. आदि दिव्यांगों की समस्या समाधान पर खुद पहल करते हैं. वो समेकित योजनाओं की जानकारी देने, सहायक उपकरण प्राप्ति में मददगार बनने और दिव्यांग सशक्तिकरण में सहयोग करने का काम कर रहे हैं. अब दिव्यांग बच्चों के अभिभावकगण दैनिक क्रिया–कलाप प्रशिक्षण, फिजियोथेरेपी, संकेत भाषा आदि सिखलाने पर जोर देते हैं, ताकि बच्चे सामान्य जीवन की ओर बढ़ें. अनेक युवा दिव्यांग कौशल विकास / व्यावसायिक प्रशिक्षणों की ओर आकृष्ट हो रहे हैं, क्योंकि आत्मनिर्भरता चाहिए. भारतीय संसद ने दि राइट्स ऑफ पर्सन्स विथ डिजेबिलिटीज बिल–2016 को पास कर दिया है. नए कानून में 21 तरह की दिव्यांगताओं का उल्लेख है और दिव्यांग अधिकारिता को लेकर सरकारी दायित्व पर प्रकाश डाला गया है. दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम के तहत इन प्रावधानों के क्रियान्वयन का प्रयास जारी है.

Disability Rights Program in Jharkhand and Bihar

Disability Rights program in Hazaribag, Koderma, Giridih, Nawada, Gaya districts of Jharkhand and Bihar was started by NBJK in July 2015 for 3 years with support of Action Village India-Big Lottery Fund, UK. This works with 32, 366 identified PwDs in 2274 villages from 24 blocks of these districts. The program facilitates PwDs to be a stakeholder in the process of empowerment and entitlement realization. Disability Rights program aims to organize PwDs and makes them aware of their rights enshrined by the parliament as well as UNCRPD. This supports PwDs to be rightful, demanding and competent enough to lead a normal life as far as possible.

The program works towards increased life opportunities for Children with Disabilities through ensuring their access to education under Right to Education Act 2011. This promotes inclusive education and village schools have been made aware of the need of CwDs. Their school enrollment is a priority and 423 CwDs have been enrolled so far in villages where parents were hopeless and indifferent towards schooling of their wards. There were 1110 school intervention activities, 88 quiz programs and 479 schools have been covered under the program. 219 CwDs are being provided Activities of Daily Living, Physiotherapy and Sign Language.

The PwDs have been promoted to join SHGs or to form new groups. There are 331 DSHGs with 1847 members. They participate in group activities with access to micro-credit, vocational training and lead to economic independence or support to family income. 63 PwDs have been provided small & easy loans to start their own enterprises while total 131 entrepreneurs are engaged with the works of their choice. 264 PwDs have been linked to vocational training courses. All these increased their self-worth, dignity and acceptance by the community.

Also they formed Disable People Organizations (DPOs) in blocks to make a strong social presence. There are 20 DPOs (3 are registered) advocate for rights of PwDs and improvement in service delivery meant for them. They run independently, organize activities and keep own records. These bodies became instrumental for issuance of Disability Certificates to 2174 PwDs and benefitted 1497 PwDs with pension and other government entitlements. Also these DPOs support the program team to hold advocacy programs with government officials. Recently youths from DPOs have won state level Disable Cricket Tournament.

Disability Rights program has earned a good reputation among rural people and Government Officers responsible for service delivery to PwDs. Due to constant activities, Disability has become an issue for PRIs, elected representatives and government departments. Many block level officers like BDOs, CDPOs offer their support to PwDs in case of any problem or delay for the service. They inform about inclusive schemes, aids & appliances and cooperate with the program staffs to achieve the common goal of empowering PwDs. Now the parents of CwDs insist for ADL, physiotherapy, sign language etc. as they found these activities helpful to normal life. Many young PwDs prefer to join vocational courses as they want to become independent.

Indian Parliament has passed "The Rights of Persons with Disabilities Bill - 2016". This will replace the existing PwD Act, 1995 enacted 21 years back. This defines Disability based on an evolving as well as dynamic concept and includes 21 types of disabilities. Responsibility has been cast upon the appropriate governments to take effective measures to ensure that the persons with disabilities enjoy their rights equally with others. Disability Rights program propagates provisions of this new law also.

ग्रामीण विकास पर विचारगोष्ठी

12 जनवरी, रांची: झारखण्ड सरकार द्वारा बजट के सन्दर्भ में ग्रामीण विकास की सही दिशा पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ था. इस अवसर पर लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने कृषि से चर्चा की शुरुआत करते हुए जल संचयन के लिए बनाए जा रहे डोभा के डिजाइन और स्थान चयन में सावधानी बरतने की सलाह दिया और कहा कि इनकी गहराई कम से कम 15 फीट रहनी चाहिए. इन्होंने मनरेगा नियमों में सुधार और निजी सिंचाई योजनाओं को प्रोत्साहन देने की बात कही. श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि निजी स्कूलों की प्रबंधन समिति में स्थानीय विधायक और सरकारी पदाधिकारियों को रखने का कोई औचित्य नहीं है और ऐसे स्कूल के गरीब बच्चों को सरकार की ओर से फीस, छात्रवृत्ति, अन्य सुविधाएँ मिलनी चाहिए. लोक समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 75–80% स्वास्थ्य सेवा की निजी क्षेत्र पर निर्भरता को अहम मुद्दा बताया और कहा कि ग्रामीण चिकित्सकों के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण और नियमन की व्यवस्था होनी चाहिए. इन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों की आउटसोर्सिंग, सबों के लिए स्वास्थ्य बीमा और गंभीर मरीजों के लिए प्रखंड स्तरीय निधि पर बल दिया. विचारगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे श्री चन्दन मिश्र (ब्यूरो चीफ, दैनिक हिंदुस्तान) ने कहा कि बजट एक सतत प्रक्रिया है और एक व्यापक दृष्टि के लिए विभिन्न स्तरों पर इसके मूल्यांकन की आवश्यकता होती है. श्री श्रीनिवास और श्री मधुकर (वरिष्ठ पत्रकारगण, प्रभात खबर) ने समय पर आबंटित राशि खर्च नहीं होने वाली व्यवस्था में बदलाव को जरूरी माना. इस गोष्ठी को रांची, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, चतरा, लोहरदगा, रामगढ़, गुमला आदि जिलों से आए ग्रामीणों ने भी संबोधित किया था.

Symposium on Rural Development

12 January, Ranchi: An evocative symposium about *Right Approach of Jharkhand Govt. on Rural Development in context of state budget* was organized under auspices of Jharkhand Pradesh Lok Samiti. Mr. Girija Satish (National President, Lok Samiti) has suggested for right design, location and minimum depth as 15 feet for water structures being made by the government. He was for easy support to personal irrigation schemes and change in MNREGA rules. Mr. Girija has opposed compulsory membership of local MLA & govt. officials in the managing committee of private schools and called for govt. sponsored fees, scholarship and other benefits for poor children of such schools. Lok Samiti president has questioned about 75-80% health service coverage by private sector and advised for training and regulation of RMPs. He has supported outsourcing of health centers, insurance coverage for all and a fund at block level for critical patients. The program was chaired by Mr. Chandan Mishra (Bureau Chief, Dainik Hindustan) who called the budget as a continuous process and suggested to draw it from different levels for a comprehensive view. Mr. Shriniwas and Mr. Madhukar (Senior Journalists, Prabhat Khabar) were for revival of the system to utilize money for sake of common people. The symposium was addressed by villagers from Ranchi, Hazaribag, Koderma, Giridih, Chatra, Lohardaga, Ramgarh, Gumla districts too.

नेत्र वसंत, ग्लूकोमा सप्ताह और नेत्र सहायक पाठ्यक्रम

जनवरी–मार्च 2017, बहेरा: न०भा०जा०केन्द्र संचालित लोकनायक जय प्रकाश आँख अस्पताल ने साइटसेवर्स और बीएफआइएल की मदद से 16 जनवरी को नेत्र वसंत परियोजना शुरू किया था, जिसमें निर्धनों के लिए 1000 मोतियाबिन्द ऑपरेशन और 500 पावर चश्मों की निःशुल्क व्यवस्था हुई. परियोजना का उद्घाटन राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डा० राजेन्द्र पासवान ने किया था। इस अवसर पर श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न०भा०जा०केन्द्र) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बीते वर्ष अस्पताल द्वारा 24,923 ओपीडी और 6,150 मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया गया है. इन्होंने मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए उपलब्ध आधुनिक फेको मशीन *इनफिनिटी* का उल्लेख करते हुए बताया कि अस्पताल में डायबिटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा और मेडिकल रेटिना के इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध है. श्री सुदीप्तो मोहन्ती (क्षेत्रीय निदेशक, साइटसेवर्स) ने राज्य सरकार और गैरसरकारी संस्थाओं के साथ नेत्र सुरक्षा सेवा सहयोग और गतिविधियों की जानकारी दिया. इस मौके पर आयोजित नेत्र जांच शिविर में 275 मरीजों की आँख जांच हुई और मोतियाबिन्द से पीड़ित 124 मरीजों का ऑपरेशन हुआ. 12–18 मार्च के दौरान अस्पताल द्वारा ग्लूकोमा सप्ताह आयोजित किया गया था, जिसमें नेत्र रोगियों हेतु मुफ्त आँख जांच, चिकित्सीय सलाह और रियायती दर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध थी. इसमें 700 से अधिक मरीजों को जांच और दवाओं की सुविधा मिली. विदित हो कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस वर्ष जून से सीमित स्थानों के साथ दो वर्षीय नेत्र सहायक पाठ्यक्रम (आवासीय) शुरू किया जा रहा है, जिसमें नामांकन की न्यूनतम योग्यता इंटर साइंस है और कुल शुल्क 20,000 रू० मात्र है.

Netra Vasant, Glaucoma Week and a Professional Course by LNJPEH

January-March 2017, Bahera: NBJK run LNJP Eye Hospital has launched a small project *Netra Vasant* with support of Sightsavers and BFIL. This has ensured 1000 cataract operations and 500 power glasses free of cost for poor people. The project was inaugurated on 16th January by Dr. Rajendra Paswan (SPO, NPCB) who commended the MoU with Sightsavers for blindness control program in Jharkhand. Mr. Girija Satish (President, NBJK) has welcomed all dignitaries and informed about 24,923 OPD and 6,150 cataract surgeries by the hospital during 2016. He has mentioned *Infinity* a modern PHACO machine for cataract surgery and treatment facilities for Diabetic Retinopathy, Glaucoma and Medical Retina at LNJPEH. Mr. Sudipto Mohanti (Regional Director, Sightsavers) has outlined about upcoming activities by Sightsavers under partnership of the state government and NGOs to meet eye care need. Also an Eye Screening Camp was organized on this occasion that drawn 275 patients from villages for eye check up and 124 with cataract were referred to LNJPEH. During 12-18 March, the hospital has observed Glaucoma Week and offered free eye check up, medical consultation, medicines and cost effective treatment. This enabled more than 700 people to take care of their eyes with free medical consultation and medicines. In another development, the hospital management has decided to commence a residential Diploma Course of Ophthalmic Assistance from June'17. This 2 years course with limited seats for Inter Science youths will cost Rs. 20,000 only.

68वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

26 जनवरी, हजारीबागरू न०भा०जा०केन्द्र में देश का 68वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया और संयोजन कार्यालय में संस्था के अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आइवन नटब्राउन और सुश्री एस्थेर (एवीआइ, यूके) ने गाँधी मूल्यों से निकले एक राष्ट्र के रूप में भारत की प्रशंसा करते हुए उपस्थित लोगों को गणतंत्र दिवस की बधाई दिया. विदित हो कि एवीआइ के सहयोग से संस्था द्वारा झारखण्ड–बिहार के पांच जिलों में निःशक्त अधिकारिता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में न.भा.जा.केन्द्र मंत्री श्री सतीश गिरिजा ने संस्था स्थापना वर्ष 1971 को याद करते हुए पटना, खूंटी, दुमका में स्लम/जनजातीय आबादी के लिए शिक्षा, आजीविका और नेत्र सुरक्षा के क्षेत्रों में नए कार्यक्रमों की जानकारी दिया. श्री प्रभुनाथ

68th Republic Day Celebration

26 January 2017, Hazaribag: NBJK has celebrated 68th Republic Day of the nation with enthusiasm and Mr. Girija Satish (President, NBJK) has hoisted national flag at the coordination office. Mr. Ivan Nutbrown and Miss Esther (AVI, UK) were the guests of honor on this occasion those praised India as a nation emerged from Gandhian values and congratulated all. It's noteworthy that AVI supports NBJK to execute Disability Rights Program in 5 districts of Jharkhand and Bihar. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has recalled the year 1971 when NBJK was started. He shared about new programs and achievements in the field of education, livelihood and eye care for slum dwellers/tribal people of Patna, Khunti and Dumka. Mr. Prabhunath Sharma (Treasurer, NBJK) has appealed all

शर्मा (कोषाध्यक्ष) ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से शरीर और मन मिलाकर काम करने की अपील किया ताकि परिवर्तन में उनका अधिकतम योगदान संभव हो सके. श्री प्रवेश सिंह (सहायक वित्त प्रबंधक) ने इस समारोह का संचालन किया था और इनकी अगुआइ में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में सामूहिक रूप से नारे लगाए गये.

staffs to work with mind and body together to optimize their contribution for the change. Mr. Pravesh Singh (Asst. Finance Manager, NBJK) has anchored the event and led slogans to remember great leaders of freedom movement. The day was observed at NBJK run schools and its branch offices also.

कोमल पूजन पब्लिक स्कूल का वार्षिक दिवस

04 फरवरी, सिलौंजा (बोधगया): न०भा०जा०केन्द्र संचालित कोमल पूजन पब्लिक स्कूल ने अपना पहला वार्षिक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जीतन राम मांझी थे. अपने संबोधन में श्री मांझी ने कोमल पूजन स्कूल के ग्रामीण परिवेश और कम खर्च पर स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए इसकी प्रशंसा किया. ज्ञान के बिना सिर्फ डिग्री काम नहीं करता और हमारी शिक्षा व्यवस्था में रटने की जगह समझने को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, ऐसा इनका मानना था. श्री मांझी ने भारतीय संस्कृति की विशेषता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अपनी समावेशी प्रकृति की वजह से आज विदेशों में भी इसका डंका बज रहा है. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डा० भीम राव अम्बेदकर का उदाहरण देते हुए कहा कि गरीबी के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त किया और स्वच्छता के प्रति आजीवन संवेदनशील बने रहे. प्रारम्भ में संस्था अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने उपस्थित मेहमानों का स्वागत करते हुए कोमल पूजन पब्लिक स्कूल की संक्षिप्त जानकारी दिया, जो इस क्षेत्र में संस्था की नयी शैक्षणिक पहल है. इस अवसर पर श्रीमती ज्योति मांझी (भूतपूर्व विधायक, बाराचट्टी), श्रीमती शिप्रा वर्मा (बाल विकास परि० पदा०), श्री देवेन्द्र पाठक (निरंजना वेलफेयर ट्रस्ट), श्री सिकन्दर (जिला परिषद सदस्य), डा० अभिषेक मृणाल (लायंस क्लब), श्री उमाशंकर कुशवाहा (प्राचार्य) उपस्थित थे. स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम में काफी संख्या में बच्चे और अभिभावकगण शामिल हुए. समारोह का संचालन सुश्री यास्मीन परवीन और सुश्री सुप्रिया सागर (शिक्षिकागण) ने किया था.

Komal Pujan Public School Observes Annual Function

04 February 2017, Silaunja (Bodhgaya): NBJK run Komal Pujan Public School at village-Silaunja, Bodhgaya has celebrated first Annual Function gracefully and the program was inaugurated by Mr. Jitan Ram Manjhi (Ex-Chief Minister of Bihar) as Chief Guest of the function. He appreciated Komal Pujan Public School for its rural surroundings and the objective to serve village population with quality as well as affordable education. Merely degree without knowledge can't work and our education system must promote understanding instead of producing parroting students, he opined during the function. Mr. Manjhi has lauded for Indian culture that made its way in other countries also due to inclusive perspective. The ex-chief minister of Bihar has remembered Dr. Bhim Rao Ambedkar who obtained education and led a hygienic life despite poverty. Initially Mr. Girija Satish (President, NBJK) has welcomed Mr. Manjhi with all on the dais and briefed about KPP School, an educational initiative by NBJK for this area. Mrs. Jyoti Manjhi (Ex-MLA, Barachatti), Mrs. Shipra Verma (CDPO), Mr. Devendra Pathak (Niranjana Welfare Trust), Mr. Sikandar (Member, District Council), Dr. Abhishek Mrinal (Lions Club), Mr. Umashankar (Principal) were other important people present on this occasion. Also there were parents with students and all have enjoyed a colorful cultural program presented by school children. Ms Yashmeen Parveen and Ms Supriya Sagar (Teachers) have anchored the function.

15 गांवों हेतु एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम

25 फरवरी, कोडरमा: एचडीएफसी बैंक के निगमित सामाजिक दायित्व पहल अंतर्गत न०भा०जा०केन्द्र द्वारा कोडरमा जिला (झारखण्ड) के कोडरमा सदर और जयनगर प्रखंडों के 15 गांवों में 2656 परिवारों हेतु एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम की शुरुआत हुई है. अक्टूबर 2016 से आगामी 3 वर्षों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत गांवों के लिए कृषि/गैरकृषि क्षेत्रों में उपयुक्त तकनीकी सहायता से आजीविका विकल्प, गुणात्मक शिक्षा, सफाई–स्वच्छता और सौर ऊर्जा के प्रयोग पर जोर दिया गया है. कार्यक्रम द्वारा 13 शिक्षकों का प्रबन्ध किया गया है और 14 विद्यालयों में पुस्तकालय खुले हैं. प्रत्येक पुस्तकालय में 50 हजार रू० मूल्य की किताबें उपलब्ध करायी गयी हैं और 13 गांवों में रिमेडिअल कोचिंग केन्द्र शुरू हुए हैं. इन कोचिंग केन्द्रों में कमजोर वर्ग के 434 छात्र–छात्राओं हेतु अंगरेजी, गणित और विज्ञान विषयों की अतिरिक्त कक्षा चलती है. इस कार्यक्रम के प्रयास से 14 विद्यालयों की प्रबंधन समितियां नियमित हुई हैं और वर्गों को रंग–बिरंगे आकर्षक चित्रों से सजाया गया है. विद्यार्थियों को बाल संसद गठन, उसमें दायित्व निर्वहन और साबुन से हाथ धोने जैसी गतिविधियों के लिए बढ़ावा दिया जाता है. कार्यक्रम अन्तर्गत बिगड़े हुए चापानलों की मरम्मत और जरूरत के हिसाब से नए चापानल लगा कर सुरक्षित पेय जल उपलब्धता का काम हो रहा है. इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन के समर्थन में कार्यक्रम की ओर से 1000 शौचालय निर्माण का लक्ष्य रखा गया है. हरित ऊर्जा प्रोत्साहन हेतु 15 चिह्नित गांवों की गलियों में 108 सोलर लैंप लगाए गए हैं और 500 महिलाओं को 50 स्वमदद समूहों से जोड़ा जा चुका है ताकि भविष्य में उन्हें संस्थागत रूप से आसान ऋण सुविधा मिल सके. सिंचाई सुविधा उपलब्धता पर काम चल रहा है और किसानों को लाभदायक कृषि हेतु प्रशिक्षित किया गया है. गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए गए हैं. कोडरमा और जयनगर में आँख जांच शिविरों का आयोजन कर 295 नेत्र रोगियों की मुफ्त में जांच हुई है, जिनमें 52 मोतियाबिन्द के शिकार थे. उन रोगियों को लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल (बहेरा, चौपारण) भेजकर उनका ऑपरेशन करवाया गया.

Holistic Rural Development Program for 15 Villages

25 February 2017, Koderma: With support of CSR initiative by HDFC Bank, NBJK has launched a Holistic Rural Development Program (HRDP) for 2656 HHs in 15 villages of Koderma Sadar and Jainagar blocks of Koderma district. This was initiated in October 2016 for next three years duration and offers livelihood choices by adopting appropriate technology in farm/non-farm sectors, improves quality of education, upgrades sanitation and introduced renewable solar energy in villages. It has provided 13 teachers in schools and libraries have been established in 14 schools. Each library has books worth Rs. 50,000 and Remedial Coaching Centers have been started in 13 villages. These centers support 434 weak & poor students on Maths, English and Science. The program has regularized 14 school management committees and classrooms got decoration with colorful pictures. The students were motivated to form Baal Sansad and made aware of hand washing practice. HRDP works towards availability of safe drinking water by repair of defunct hand pumps or installation of new ones as per the need and supports for construction of 1000 toilets under Swachch Bharat Mission. This ensured installation of 108 Solar Street Light in 15 villages for promotion of green energy and facilitated 50 SHGs with 500 women for institutional credit in future. Also irrigation facility is in pipeline and farmers are being trained for profitable cultivation. There were health awareness campaign in villages and two eye checkup camps were held at Koderma and Jainagar that catered 295 patients while 52 cataract patients availed surgery at LNJPEH, Bahera.

महिला दिवस पर शराब, दहेज और अंधविश्वास का विरोध

08 मार्च, झारखण्ड–बिहार: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोक समिति द्वारा शराब, दहेज और अन्धविश्वास विरोधी अपील पर झारखण्ड–बिहार राज्यों में अनेक स्थानों पर आयोजित महिला सम्मेलनों में इन मुद्दों पर विशद चर्चा हुई और महिलाओं ने शराब के साथ दहेज और अन्धविश्वास का विरोध किया. हजारीबाग में लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने स्वयं उपस्थित रहकर झारखण्ड सरकार से अपील किया कि महिला सशक्तिकरण हेतु राज्य में शराब पर प्रतिबन्ध लगाया जाए. इन्होंने घोषणा किया कि आज झारखण्ड के 10 जिलों में महिलाओं द्वारा शराबबन्दी दिवस मनाया जा रहा है. श्रीमती सरोजिनी देवी (प्रमुख, हजारीबाग सदर प्रखंड) ने परिवार और समाज के हित में महिलाओं की ओर से उठ रही शराब विरोधी मांग को जायज बतलाया. स्त्री शक्ति की सचिव श्रीमती शीला

Liquor, Dowry and Superstition Opposed on Women's Day

08 March 2017, Jharkhand-Bihar: On Women's Day, the clarion call of Lok Samiti against liquor, dowry and superstition was responded well through women conventions held at many places in Jharkhand and Bihar. In Hazaribag, Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti) has graced the function and appealed Jharkhand government to introduce liquor prohibition policy for women's empowerment. He announced that Lok Samiti is observing Women's Day as Liquor Prohibition Day in 10 districts of Jharkhand. Mrs. Sarojini Devi (Pramukh, Sadar Block) has justified women's demand to ban liquor for sake of families and society. Mrs. Sheela Kumari (Secretary, Stri Shakti) has stressed over education

कुमारी ने महिलाओं की मजबूती के लिए उनमें शिक्षा और कानूनी जागरूकता पर बल दिया. श्रीमती शर्मीला हांसदा (सहा० उपनिरीक्षक, महिला थाना) ने स्वीकार किया कि महिला विरोधी अपराधों और शराब के बीच गहरा सहसम्बन्ध है. सम्मेलन की अध्यक्षता कर रही प्रो० (श्रीमती) किरण राणा ने महिलाओं की अनेक समस्याओं के पीछे शराब को एक मुख्य कारण बतलाया. इस महिला सम्मेलन ने अनेक प्रस्ताव पारित करते हुए मुख्यमंत्री, झारखण्ड के नाम एक मांगपत्र तैयार किया, जिसमें शराबबन्दी, शराब विरोधी महिलाओं की सुरक्षा, राज्य सरकार द्वारा महुआ की खरीद, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 और 51क का अनुपालन, शराबबन्दी पर जनमत संग्रह और शराब विरोधी अभियान में महिलाओं से सहयोग लेने जैसी मांगें शामिल थीं. झारखण्ड में हजारीबाग के अलावा कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, सराइकेला, धनबाद, रामगढ़, चतरा और लोहरदगा जिलों में भी इसी प्रकार के शराब विरोधी महिला सम्मेलनों का आयोजन हुआ था. बिहार के नवादा और गया जिलों में आयोजित महिला सम्मेलनों में दहेज और अन्धविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई गयी. महिला दिवस पर आयोजित इन जिला सम्मेलनों में लगभग 2000 लोगों ने हिस्सा लिया था.

and legal awareness among women to have a strong say. Mrs. Sharmila Hansda (ASI, Women's PS) has accepted a correlation between liquor and crime against women. Prof. (Mrs.) Kiran Rana has presided over the convention and called liquor as the root cause of numerous problems for women. The convention has passed resolutions and prepared a memorandum to the Chief Minister that demanded Liquor Prohibition, Security for anti-liquor women, Governmental procurement for Mahua, Compliance of Articles 47 & 51A of Indian Constitution, Referendum over liquor and to take support of women in anti-liquor move. Besides Hazaribag, such conventions were held at Koderma, Giridih, Bokaro, Saraikela, Dhanbad, Ramgarh, Chatra and Lohardaga districts also in the same manner with strong demand for Liquor Prohibition. In Nawada and Bodhgaya of Bihar, women conventions have raised the issues of dowry and superstitions. Overall around 2000 people have participated in this program.

हजारीबाग जिला दिव्यांग क्रिकेट टीम ने जीता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

8–10 मार्च, रांची: हजारीबाग जिला की दिव्यांग क्रिकेट टीम ने झारखण्ड दिव्यांग स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर अकादमी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया है. हजारीबाग टीम ने बोकारो, चतरा, रांची और फाइनल में गिरिडीह को हराकर यह जीत हासिल किया. हजारीबाग टीम के श्री मयंक को मैन ऑफ दि मैच और सीरीज आलराउंडर का खिताब मिला. इस टीम को जेडीएसडब्ल्यूए द्वारा चैंपियन टीम घोषित किया गया. टूर्नामेंट में विभिन्न जिलों से 12 टीमें भाग ले रही थीं. चैंपियन टीम में सर्वश्री राजकुमार (कप्तान), आशीष कु० दास (उपकप्तान), दीपक शर्मा (कोच), उपेन्द्र तुरी व पिन्टू दास (टीम प्रबन्धकगण), जितेन्द्र रविदास, टीकू मेहता, अर्जुन महतो, राजेश रंजन, शशि कु० दास और जगदीश कु० महतो शामिल थे. 11 मार्च को न. भा. जा. केन्द्र अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने सभी टीम सदस्यों से मिलकर उन्हें इस शानदार जीत पर बधाई दिया और भविष्य की शुभकामनाओं के साथ एक कप सौंपा. इस टीम के गठन और प्रोत्साहन में संस्था द्वारा एवीआइ–बीएलएफ, यूके के सहयोग से संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. विजेता टीम सदस्यों ने न०भा०जा०केन्द्र को हार्दिक धन्यवाद दिया है.

Hazaribag Disable Cricket Team Won State Level Tournament

8-10 March 2017, Ranchi: The cricket team of disable youths from Hazaribag district has won state level cricket tournament organized by Jharkhand Divyang Sports & Welfare Academy. Hazaribag team has started with a victory over Bokaro and continued by defeating Chatra, Ranchi and Giridih in Final. Mr. Mayank, a team member was declared as Man of the Match and Series All-rounder. Hazaribag was declared as Champion Team by JDSWA, the organizer of this special event among 12 teams from different districts. Champion team was comprised by Messrs Rajkumar (Captain), Ashish Kumar Das (Vice-captain), Deepak Sharma (Coach), Upendra Turi & Pintu Das (Team Managers), Jitendra Ravidas, Teeku Mehta, Arjun Mahto, Rajesh Ranjan, Shashi Kumar Das and Jagdish Kumar Mahto. On 11th March, Mr. Girija Satish (President, NBJK) met all team members, congratulated them and presented a Cup with best wishes on behalf of the organization. It's remarkable that NBJK run program on Disability Rights with support of AVI-BLF (UK) has played a crucial role in formation and promotion of this team. All the team members have thanked the organisation for cooperation and encouragement.

जुस्तजू जयन्ती की — केस स्टडी

Judicious Jayanti — CASE STUDY

एक पैर से बाधित सुश्री जयन्ती कुमारी (20 वर्ष) ग्राम–कान्को, प्रखंड–चंदवारा, जिला–कोडरमा (झारखण्ड) की रहने वाली है. इसके पिता श्री सरजू पंडित एक छोटे किसान और दैनिक मजदूर हैं. गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले इनके परिवार में जयन्ती, इसके भाई–बहन, दादी और माता–पिता सहित कुल 9 सदस्य हैं. जयन्ती 50% विकलांग है लेकिन चुनौती स्वीकार कर इसने घरेलू और कृषि कार्य करते हुए गांव के स्कूल से शिक्षा प्राप्त किया. जे०जे० कॉलेज, कोडरमा में इसने स्नातक की पढ़ाई भी शुरू की, लेकिन आवागमन की कठिनाइयों तथा अन्य कारण से यह नियमित रूप से क्लास नहीं कर पाती थी. एक दिन न०भा०जा०केंद्र द्वारा संचालित निःशक्त अधिकारिता कार्यक्रम की क्षेत्रीय कार्यकर्ता श्रीमती नीलम देवी जब इसके गांव में बैठक कर रही थीं तो उन्होंने जयन्ती की पहचान किया. इस गांव में निःशक्त जनों का एक स्वमदद समूह कार्यरत है. नीलम देवी ने जयन्ती को किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में दाखिला लेने की सलाह दिया ताकि वह सम्मानपूर्वक आजीविका और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सके. लेकिन यह आसान भी नहीं था क्योंकि परिजन विरोध कर रहे थे. अंततः कार्यक्रम टीम और खुद जयन्ती के प्रयासों से उसे ऐसा कोई कोर्स करने की अनुमति मिली. इसने तिलैया (कोडरमा) स्थित रोजगार प्रशिक्षण केंद्र में तीन माह के *बेड साइड पेशेंट अटेंडेंट* कोर्स में नामांकन करवाया और सफलतापूर्वक इसे पूरा भी किया. अभी यह भलुआ चट्टी (गया) स्थित माँ दुर्गा क्लीनिक में नर्सिंग सहायक का काम कर रही है, जहाँ इसे निःशुल्क भोजन और आवास के साथ 2000 रू० प्रति माह मानदेय मिल रहा है. जयन्ती कहती है कि थोड़ा अनुभव हासिल करने के बाद वह अपने गांव में भी ऐसा ही क्लीनिक खोलेगी ताकि महिलाओं की स्वास्थ्य सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने में सहयोग कर सके.

Ms Jayanti Kumari (20 years) is an orthopedic handicapped young girl from village-Kaanko, block-Chandwara, District-Koderma (Jharkhand). Her father Mr. Sarju Pandit is a small farmer and daily wage labour. Jayanti belongs to a BPL family of 9 persons including 3 brothers, 3 sisters, parents and an old grandma. She is crippled with a leg and holds the certificate for 50% disability. But this challenge couldn't stop her to do domestic/farm works and to get education in village school. After schooling, she got admission in J. J. College, Koderma for B.A. but didn't attend classes regularly. Jayanti was identified by Mrs. Neelam Devi (Field Staff, Disability Rights program) during a meeting at the village where also a DSHG is functional. Neelam Devi has persuaded Jayanti to join any vocational course for self-reliance and livelihood with dignity. Though this was not easy as her family members have opposed the idea initially. But finally, the program team and Jayanti have made her family ready to grant permission to join a 3 months course on BSPA (Bed Side Patient Attendant) by Rojgar Training Center at Tilaiya (Koderma). She completed the course successfully and works with a private Health Center namely Maa Durga Clinic at Bhalua Chatti, Gaya. She gets Rs. 2000 per month with accommodation and meal free of cost. Jayanti plans to open a similar health center at her village after getting experience.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।
दूरभाष: +91 8809672146, +91 9835751159
ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com